समीक्षात्मक एवं सृजनात्मक चिंतन (CCT) अभ्यास सितम्बर,2021

कक्षा 6-8

विषय - हिन्दी

यू.टी. चंडीगढ़, शिक्षा विभाग

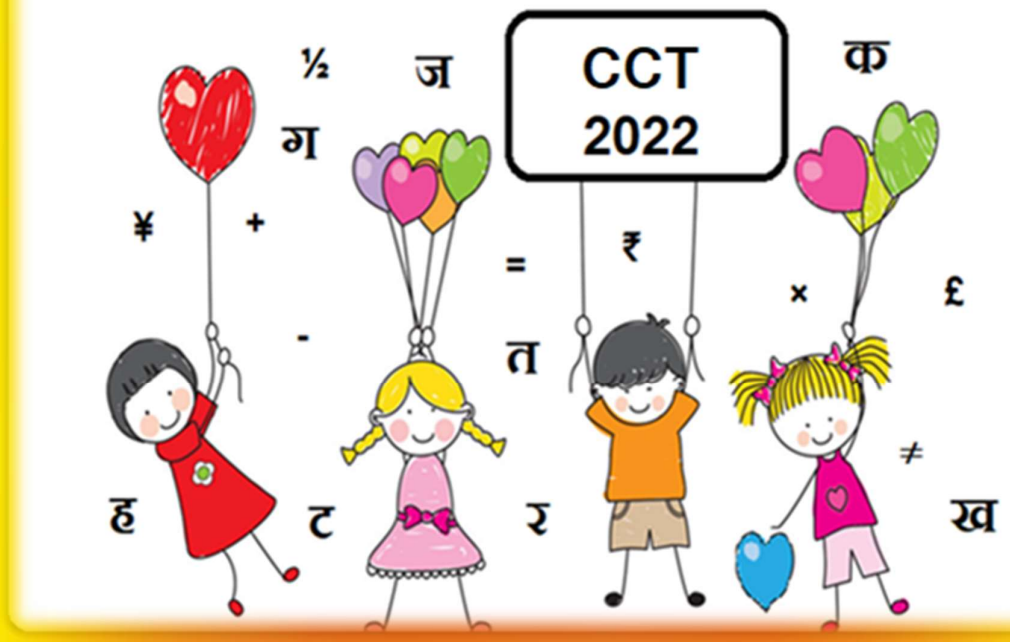

संकलित – राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, रायपुर खुर्द, चंडीगढ़।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बहलाना, चंडीगढ़।

प्रस्तावना :

प्रस्तुत पुस्तिका का उद्देश्य विद्यार्थियों में पठन कौशल की समझ विकसित करना है ताकि भाषाई समझ, तथ्य विश्लेषण-ग्रहण एवं आलोचनात्मक चिंतन आदि की ओर प्रवृत्त हों। जीवन के विविध आयामों तक विद्यार्थी की समझ विकसित हो और गणित के प्रति अभिरुचि बढ़े। वह सीखने की प्रक्रिया में पूरा भागीदार बने और ज्ञान के लिए पाठ्य पुस्तकों से इतर दुनिया की ओर अग्रसर हो।

समन्वयक :

प्राचार्या श्रीमती रेणु पाठक, राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, रायपुर खुर्द, चंडीगढ़।

प्राचार्या श्रीमती रेणु गुप्ता, राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, मनीमाजरा, चंडीगढ़।

निर्माण समिति :

1. बृजरानी राजकीय उच्च विद्यालय, कजहेड़ी, चंडीगढ़।
2. रेनू कटोच राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 37, चंडीगढ़।
3. नीलम चोपड़ा राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 27, चंडीगढ़।
4. नीना राणा राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय, सेक्टर 42, चंडीगढ़।
5. कपिल शर्मा राजकीय उच्च विद्यालय, सेक्टर 53, चंडीगढ़।
6. डॉ० दिनेश चंद्र राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय, सेक्टर 12, चंडीगढ़।
7. जसविंदर कौर राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 22, चंडीगढ़।
8. रीता वसिष्ट राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय, पॉकेट नंबर 1, मनीमाजरा, चंडीगढ़।
9. किरण बाला राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 26, टिंबर मार्केट, चंडीगढ़।
10. गौरव कुमार राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 10, चंडीगढ़।
11. रजनी खरबन्दा राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 35, चंडीगढ़।
12. सोनिया राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 10, चंडीगढ़।
13. तेजिंदर कौर राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 8, चंडीगढ़।

<u>दिशा निर्देश</u> :

शिक्षक रणनीति (कैसे सिखाना है):

- कहानियों के विभिन्न हिस्सों के लिए विभिन्न रणनीतियों का प्रयोग करेंगे।
- मौन वाचन
- विद्यार्थियों को समूह में बांटकर सस्वर वाचन
- एक विद्यार्थी द्वारा संपूर्ण कक्षा के समकक्ष वाचन
- समूह चर्चा
- अध्यापक: एक स्रोत

दक्षताएँ :

- वार्तालाप
- रचनात्मक सोच
- सूचनाओं की पुन:प्राप्ति
- समस्या समाधान
- कल्पनात्मकता का विकास

विभिन्न आयाम:

- कला एवं साहित्य
- गणित
- समाज व पर्यावरण
- विज्ञान

	Reading Literacy (Hindi)			
	कक्षा : 6 से 8			
Serial No. प्रतिमान संख्या	Name of the Module प्रतिमान का नाम	Taxonomy	Source	Page No.
1	कठपुतली कलाकार	Understand/ Reflect	पाठ्य पुस्तक	4
2	स्वस्थ बच्चे : स्वस्थ भारत	Understand/ Reflect	पाठ्य पुस्तक	7

प्रतिमान- 1

पुस्तक - वसंत -2	कक्षा - 7
प्रकार - निबंध	पाठ का नाम - कठपुतली
सीखने के प्रतिफल : 701. विविध प्रकार की रचनाओं को पढ़कर समूह में चर्चा करते हैं। 705. अपने परिवेश में मौजूद लोक कथाओं और लोकगीतों के बारे में चर्चा करते हैं और उनकी सराहना करते हैं। 706. विविध कलाओं, जैसे प्रयोग होने वाली भाषा के बारे में जिज्ञासा व्यक्त करते हैं, उन्हें समझने का प्रयास करते हैं। 715. विविध कलाओं जैसे- हस्तकला, वास्तुकला, खेतीबाड़ी, नृत्य कला करते हुए उसकी सराहना करते हैं।	

उप विषय : कठपुतली कलाकार

दक्ष अंगुलियों से बंधी डोर के एक इशारे से नर्तकी नाचने लगती है और अगले इशारे से मंच युद्ध के मैदान में बदल जाता है। ये कमाल करते हैं राजस्थान के कठपुतली कलाकार, जिनकी उंगली की एक हरकत से कठपुतली जीवंत हो जाती। राजस्थान को रंगो, कला और पारंपरिक कला प्रदर्शन करने के लिए जाना जाता है। इन्हीं कलाओं में से एक कला है "कठपुतली का खेल" जिसके ज़रिए लोक कथाएँ सुनाई जाती हैं। कठपुतली का अर्थ है- काठ अर्थात् लकड़ी और पुतली अर्थात:- लकड़ी का खिलौना। इसकी शुरुआत थार रेगिस्तान में जोधपुर के पास नागौर में हुई थी। ये अनोखे कठपुतली कलाकार न सिर्फ कठपुतलियों को अपनी उंगलियों पर नचाते हैं, बल्कि खुद कठपुतलियाँ भी बनाते हैं। कठपुतली के खेल का संबंध भाट समुदाय से हैं, जो एक समय खेती बाड़ी करता था और खानाबदोश था। इस कला में इनकी निपुणता देखते ही बनती है। मध्य युग में भाट समुदाय गाँव-गाँव जाकर इस खेल के माध्यम से कथा सुनाते थे। इन कथाओं में ज्यदातर नायकों की वीरता की कथाएँ होती, जो मनोरंजन से भरपूर होती थी। खेल के बदले भाट समुदाय को धन, पशु या फिर अनाज मिल जाता था। इनकी कहानियाँ लोकप्रिय होने से शाही दरबार में स्थान मिलने लगा। मध्यकालीन राजस्थान में लगभग हर शाही दरबार का अपना कठपुतली कलाकार होता था, जिसे चारण कहा जाता था। चारण की कवि और कठपुतली कलाकार

के रूप में दो भूमिकाएँ होती थी। कठपुतली बनाकर शासक की बहादुरी और शान की कहानियां गढ़ कर कठपुतली का खेल दिखाते थे, इसके अलावा संरक्षकों की वंशावली के सूत्रधार की भूमिका निभाते थे। परंपरा के मुताबिक पुरुष कठपुतली को नचाते और महिलाएँ ढोलक, तबला और दूसरे साज़ बजाती थी। आज पूरे देश में मनोरंजन के ढेर सारे साधन हो गए हैं। इस की वजह से कठपुतली कलाकारों को संरक्षण देने वाले भी तेजी से घटे हैं। आर्थिक तंगी के कारण वे खेल दिखाने की बजाए कठपुतलियाँ बेचकर गुजर- बसर कर रहे हैं।

प्रश्न 1. दिए गए विकल्पों को गद्यांश के आधार पर क्रमानुसार लगाएं-

i. राजदरबार में कठपुतली कलाकारों को संरक्षण

ii. नायकों की वीरता का प्रदर्शन

iii. भाट समुदाय द्वारा परंपरा की शुरुआत

iv. आधुनिक मनोरंजक साधनों से कठपुतली खेल को क्षति

क) I ii iii iv

ख) iii i ii iv

ग) iii ii i iv

घ) iv i iii iv

प्रश्न 2. 'उंगली की एक हरकत से कठपुतली जीवंत हो जाती' पंक्ति में 'जीवंत' शब्द का भाव है-

क) कठपुतली सुंदर दिखने लगती

ख) कठपुतली जिंदा हो जाती

ग) कठपुतली को किसी किरदार में प्रस्तुत किया जाता

घ) कठपुतली उंगली के इशारे को जानती

प्रश्न 3. किसी वस्तु को भविष्य आदि के लिए बचा कर रखने की क्रिया को ----------कहते हैं।

क) संप्रेक्षण

ख) संरक्षण

ग) आरक्षण

घ) रक्षण

प्रश्न 4. कठपुतली कलाकारों में चारण की दो भूमिकाएं कौन कौन सी थी?

क) संगीतकार और कवि

ख) कवि और कठपुतली कलाकार

ग) पुरुष कलाकार और स्त्री कलाकार

घ) कठपुतली कलाकार और कहानीकार

प्रश्न 5. "खेल दिखाने की बजाय कठपुतलियाँ बेचकर गुजर-बसर कर रहे हैं" इस वाक्य में कठपुतली कलाकारों की छुपी त्रासदी का वर्णन करें।

_____

_____

_____

<u>अध्यापक के लिए</u> :

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनः प्राप्ति	बहुविकल्पीय	कठिन
2	सूचना की पुनः प्राप्ति	बहुविकल्पीय	औसत
3	व्यापक समझ	बहुविकल्पीय	औसत
4	व्यापक समझ	बहुविकल्पीय	औसत
5	मूल्यांकन	रचनात्मक	कठिन

प्रतिमान-2

पाठ्य पुस्तक : वसंत (भाग-2)	कक्षा : सातवीं
प्रकार : निबंध	पाठ का नाम : रक्त और हमारा शरीर
सीखने के प्रतिफल : 704. पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं, परिचर्चा करते हैं। 710. किसी पाठ्यवस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसमें किसी विशेष बिंदु को खोजते हैं।	

उपविषय : स्वस्थ बच्चे : स्वस्थ भारत

एक स्वस्थ शरीर में एक स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है ।इसका मतलब यह है कि हर समय स्वास्थ्य को अच्छा रखना न केवल अपनी पढ़ाई में बल्कि अन्य क्षेत्रों में भी उत्कृष्ट रहने के लिए महत्वपूर्ण है। स्वास्थ्य सम्बंधित मुद्दों से निपटने के लिए नीचे कुछ सुझाव दिए गए हैं। दिए गए सुझावों का पालन करें। ये सुझाव आपको तंदरुस्त और स्वस्थ रखने के लिए मार्गदर्शित करेंगे। जिससे आपको अपनी पढ़ाई, अपनी रुचि के अन्य क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन करने में मदद मिलेगी। कृपया यह सुनिश्चित करें कि हर बार जब आप खाना खाएं, स्वस्थ विकल्प का ही चुनाव करें। जिससे आप हमेशा स्वस्थ व ख़ुश रहेंगे।

स्वस्थ जीवनशैली :

- नियमित संतुलित आहार लें।
- सब्ज़ियों फलों तथा सूखे मेवों का अधिक सेवन करें।
- आहार की मात्रा कम करने की कदापि आदत न डालें।
- जंक फ़ूड का सेवन करने से बचें।
- चीनी, नमक तथा गैस युक्त पेय पदार्थ का सीमित मात्रा में सेवन करें।

- प्रतिदिन शारीरिक व्यायाम करें।

- व्यक्तिगत साफ़ सफ़ाई रखें।

- घर से स्कूल और अपने आस-पास का वातावरण साफ़ रखें।

- तम्बाकू, शराब तथा नशीले पदार्थों का सेवन न करें।

- स्क्रीन (मोबाइल , TV, कम्प्यूटर, लैपटॉप) पर लगातार ज़्यादा देर तक कार्य न करें।

- अनुशासित जीवन जीएँ।

स्वस्थ आहार :

- प्रोटीन : मांस, मछली, पनीर, दालें, दूध, दही, अंडे और सूखे मेवे

- वसा : पनीर, साबुत अंडे, मछली, सूखे मेवे तथा वनस्पति तेल

- कार्बोहाइड्रेट: अनाज, आलू तथा चीनी विटामिन : दूध, अंडे, अनाज, सब्ज़ियाँ तथा फल

- खनिज : सब्ज़ियाँ , फल तथा खाद्यान्न

जंक फ़ूड (फ़ास्ट फ़ूड) :-

- जंक फ़ूड में कैलरी युक्त भोजन होता है और इसमें वसा, चीनी तथा नमक काफ़ी मात्रा में पाया जाता है।

- नियमित रूप से जंक फ़ूड खाने से अनेक बीमारियां हो जाती हैं।

प्रश्न 1. जंकफूड के सेवन से बच्चे किन बीमारियों का शिकार हो रहे हैं ?

(क) एनीमिया, हृदय रोग

(ख) मधुमेह, कमबुद्धि

(ग) मोटापा, कैंसर

(घ) उपरोक्त सभी

प्रश्न 2. क्या कुपोषण का बच्चों की पढ़ाई पर कोई पड़ता है? यदि हाँ तो कैसे? अपना मत प्रकट करें।

_____

_____

_____

प्रश्न 3. हमारे शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता की क्या भूमिका है?

(क) शरीर को अस्वस्थ रखना

(ख) शरीर को गर्मी-सर्दी से बचाना

(ग) शरीर को बाहरी कीटाणुओं व रोगों से बचाना

(घ) इनमें से कोई भी नहीं

प्रश्न 4. फ़ास्ट फ़ूड स्वास्थ्यवर्धक भोजन नहीं है, फिर भी बच्चों की सबसे पहली पसंद है।

फ़ास्ट फ़ूड का चलन अधिक होने का क्या कारण है?

(क) जल्द बनना

(ख) स्वादिष्ट

(ग) उपलब्धता

(घ) उपरोक्त सभी

प्रश्न 5. आधुनिक समय में व्यायाम का हमारे जीवन में बहुत महत्व है। निम्न में से कौन-सा विकल्प व्यायाम के महत्व को नहीं दर्शाता :

(क) शरीर को स्वस्थ रखने के लिए

(ख) रोगों को निमंत्रण देने के लिए

(ग) शत्रु से टक्कर लेने के लिए

(घ) शरीर को गतिशील बनाने के लिए।

<u>अध्यापक के लिए</u> :

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनःप्राप्ति	बहुविकल्पीय	औसत
2	व्यापक समझ	बहुविकल्पीय	औसत
3	सूचना की पुनःप्राप्ति	रिक्तस्थान	औसत
4	व्यापक समझ	तार्किक	कठिन
5	मूल्यांकित एवं प्रतिबिंबित	व्याख्यात्मक	औसत